29.08.2022

निकेरी डिस्ट्रिक्ट में माननीय लोकसभा अध्यक्ष का सम्बोधन

देवियो और सज्जनो,

नमस्कार, गुड आफ्टरनून

- मुझे सूरीनाम के निकेरी डिस्ट्रिक्ट में आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। सूरीनाम अपने आप में प्राकृतिक सुंदरता तथा जैव विविधता का देश है। परंतु इससे भी अधिक यहाँ के लोगों की सरलता और उनके अंदर अतिथि सत्कार की भावन मं को मोह लेती है।

- यह हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि निकेरी की अधिकांश आबादी (लगभग 60%) भारतीय मूल की है। लेकिन मुझे इस बात की ज्यादा खुशी है कि यहां सभी समुदायों और धर्मों के लोग सद्भावना और शांतिपूर्ण ढंग से मिल-जुलकर रहते हैं।

- मित्रता एवं सद्भाव की यही भावना भारत की विशेषता है। सूरीनाम और भारत के बीच भले ही 14000 किलोमीटर की दूरी है लेकिन हमारे देशों में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों ही देश बहुलतावादी दृष्टिकोण के साथ अपने नागरिकों की सामाजिक आर्थिक प्रगति के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

- निकेरी सूरीनाम के पश्चिमी छोर पर स्थित सीमावर्ती जिला है जिसके किनारे पर कूरेंटाइन नदी की अविरल धार बह रही है। नदी के दूसरे किनारे पर गुयाना है जहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

- वे अक्सर निकेरी आते रहते हैं और स्थानीय लोगों से मिलते - जुलते हैं और उनमें से बहुत से लोग यहां बस भी गए हैं। इसकी यह विशेषता निकेरी को विभिन्न जातीय समुदायों का संगम बनाती है और सीमा पार सहयोग का आदर्श स्थापित करती है।

- साथियों, भारत की तरह सूरीनाम भी विविधता में एकता का एक बड़ा उदाहरण है क्योंकि यहाँ रहने वाले सभी समुदाय एकजुटता से, राष्ट्रीय भावना से साथ मिलकर रहते हैं। एकता की यह भावना आपकी सबसे बड़ी शक्ति है।

- मुझे यह जानकर खुशी हुई कि निकेरी जिले में सभी संप्रदायों के लिए पूजा स्थल हैं जहां वे अपने ईश्वर की आराधना बिना किसी व्यवधान के करते हैं। मुझे बताया गया है कि इन मंदिरों में धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन ठीक उसी तरह किया जाता है।

- भारतीयों को शायद यह जानकार आश्चर्य होगा कि आपकी पूजा की रीति बिल्कुल भारत की तरह है। इसका मतलब है कि आपने अपने संस्कारों को, विरासत को सँजोकर रखा। देश 149 वर्ष पहले भले ही छूट गया हो, पर आपके संस्कार वही रहे। यह हमारी साझी सभ्यता संस्कृति की ताकत को दिखाता है।

- भारत से प्रवास के 149 वर्षों बाद भी सूरीनाम के हिंदुस्तानी समुदाय ने जिस तरह से भारतीयता को बरकरार रखा है वह निश्चित रूप से अद्भुत है। मुझे यह देखकर अपनी संस्कृति पर गर्व होता है कि यहां के अधिकांश लोग हिंदी समझते और बोलते हैं।

- सूरीनाम में मेरे आगमन के बाद से, मैं सभी क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों से मिल रहा हूं और मैंने यह पाया है कि उनमें से कई लोग जिनमें वरिष्ठ सिविल सर्वेन्ट, डॉक्टर, इंजीनियर, उद्यमी, शिक्षाविद, राजनेता आदि शामिल हैं, वे लोग निकेरी से हैं।

- यह स्वाभाविक है क्योंकि आप सूरीनाम में सबसे ज्यादा मेहनती लोगों के रूप में जाने जाते हैं।

- आपका जिला सूरीनाम का राइस बाउल भी कहा जाता है। मुझे बताया गया है कि यहाँ लगभग 21 राइस मिलें हैं जो अच्छी गुणवत्ता वाले चावल का उत्पादन करती हैं। आज सुबह हमने एक राइस मिल का दौरा किया, इसके संचालन को देखा और मिल में बनने वाले विभिन्न चावल उत्पादों के बारे में जाना। मुझे राइस मिल के कर्मचारियों और श्रमिकों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिला। चावल की खेती भी सूरीनाम को भारतीय समुदाय का ही उपहार है।

- और अब स्थिति ये हो गई है कि चावल सूरीनाम द्वारा निर्यात की जाने वाली एक महत्वपूर्ण फसल बन गई है और साथ ही, विदेशी मुद्रा अर्जन का भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गई है।

- आपके राष्ट्रपति जी वर्ष 2021 में जब भारत आए थे तब उन्होंने उल्लेख किया था कि वाखेनिंगन, निकेरी स्थित विश्वप्रसिद्ध राइस रिसर्च सेंटर के माध्यम से चावल की कुछ बेहतरीन किस्मों को सूरीनाम से भारत में पंजाब को निर्यात किया गया था।

- कृषि क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग का मुख्य आधार चावल की खेती में सहयोग है। भारत सूरीनाम के साथ अपने संबंध सभी क्षेत्रों में बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

- अभी कुछ भारतीय कंपनियां हैं जो सूरीनाम में कार्य कर रही हैं। परंतु हमें आवश्यकता है कि भारतीय कंपनियां और अधिक संख्या में यहाँ आयें, अच्छी संभावना वाले क्षेत्रों का पता लगाएं और उसके बाद वे उस क्षेत्र में कार्य करें।

- मुझे बताया गया है कि एक भारतीय कंपनी अभी सूरीनाम में जल प्रबंधन के क्षेत्र में उपकरणों की आपूर्ति कर रही है। मुझे विश्वास है कि इनके एक बार चालू हो जाने के बाद, बाढ़ को नियंत्रित करने के अलावा खेती के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी।

- कृषि प्रधान क्षेत्र होने के नाते निकेरी में अग्रो प्रोसेसिंग और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के विकास की अत्यधिक संभावनाएं हैं। इस बारे में हमारे दूतावास के अधिकारी प्रयास करें कि इस क्षेत्र में कार्य कर रही भारतीय कंपनियां सूरीनाम आयें और सहयोग एवं व्यापार की संभावनाओं का

पता लगाएं। यह दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा तथा इससे यहाँ के नागरिकों की समृद्धि भी बढ़ेगी।

- इसके साथ ही यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से परिपोररण है। मुझे निकेरी के निकट सूरीनाम के तटीय बेसिन में की गई तेल/गैस की खोज के बारे में जानकर प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि निकटतम लैंडफाल होने के कारण इससे निकेरी को सबसे अधिक लाभ होगा और यह न केवल निकेरी के लिए बल्कि पूरे सूरीनाम के लिए समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

- साथियों, भारत अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष का उत्सव आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस दौरान, हम वसुधैव कुटुम्बकम या 'सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है' के अपने दर्शन के अनुरूप दुनिया के साथ अपने संवाद, सहयोग और साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

- भारत में, हमारी सरकार का मूल मंत्र है: "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास", यानी, सभी के साथ मिलकर, सभी के विश्वास और सभी के प्रयासों के साथ, सभी के लिए विकास सुनिश्चित करना।

- आज एक नया भारत है जो अपने राष्ट्रीय संकल्पों के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का भी निर्वहन कर रहा है। हम वैश्विक स्तर पर भी मैत्री और बंधुता की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। भारत एक ऐसी समावेशी वैश्विक व्यवस्था में विश्वास करता है जो हर छोटे-बड़े या गरीब- अमीर, सभी देशों और क्षेत्रों के हितों के प्रति संवेदनशील हो।

- सूरीनाम के साथ हमारा एक प्रकार से पारिवारिक संबंध हैं। आप हमारे परिवार के सदस्य की तरह हैं। हम दोनों देशों के बीच और अधिक मजबूत संबंध देखना चाहते हैं। दोनों देशों की संसदों के बीच और निकट संबंध हों, हमारे जनप्रतिनिधि आपस में नियमित रूप से मिलते रहें और हम एक दूसरे की समृद्धि और हितों के लिए कार्य करें, इसी संकल्प के साथ मैं आपके आतिथ्य एवं

मुझे और मेरे शिष्टमंडल के प्रति आपके प्रगाढ़ अपनेपन और स्नेह के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

- अपने शिष्टमंडल और अपनी ओर से, मैं ऐसा यादगार अवसर प्रदान करने के लिए यहाँ की सरकार और निकेरी के लोगों को धन्यवाद देता हूं, आपका आभारी हूँ।

धन्यवाद !!